हाथरस से प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'भव्य प्रभात' विज्ञापन व समाचार के लिये सम्पर्क करें–
कार्यालय
7–ऊपरी मंजिल बागला डिग्री कालेज,हाथरस
9319426268,9410427880
Email:-bhavyaprabhat@gmail.com

हाथरस से प्रकाशित दैनिक

भव्य प्रभात

खबर,सच्चाई के साथ

वर्ष 18, अंक 206 24 जुलाई 2025 गुरुवार हाथरस पृष्ठ 8 मूल्य–2/–रूपये स्वागत मूल्य 1/–रूपये

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और ब्लॉकचेन जैसे अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करें अधिकारीः राष्ट्रपति

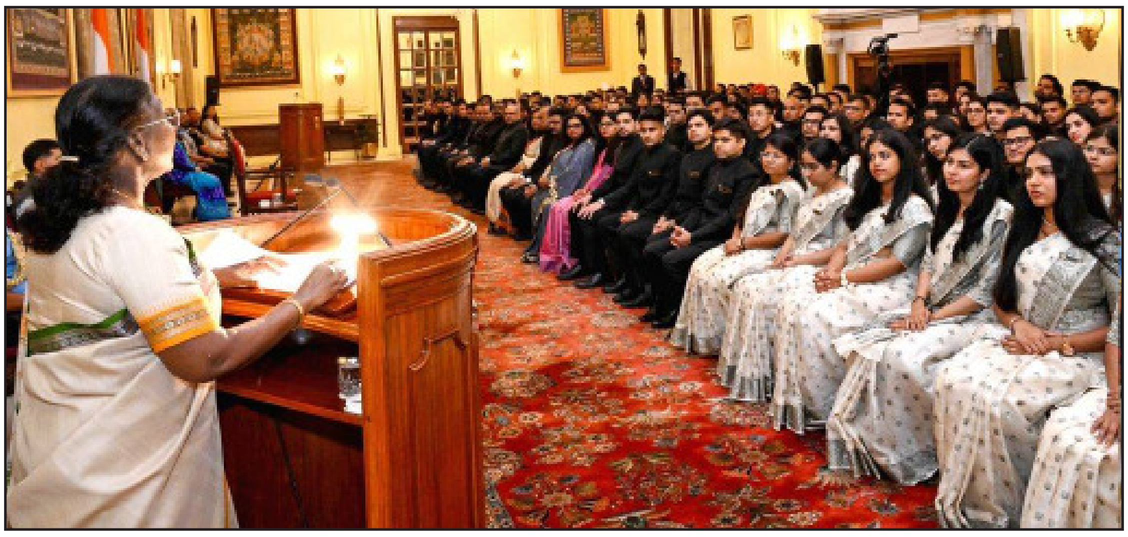

प्रौद्योगिकी में प्रगति से अवगत रहना और उन्हें ने कामकाज में लाना उनका कर्तव्य हैः द्रौपदी मुर्मु

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रक्षा संपदा सेवा अधिकारियों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन–आधारित भूमि सर्वेक्षण, उपग्रह चित्र और संपत्तियों के रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए ब्लॉकचेन जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का कामकाज में इस्तेमाल करने को कहा है। श्रीमती मुर्मु ने बुधवार को यहां भारतीय रक्षा संपदा सेवा, सैन्य अभियंता सेवा और केंद्रीय जल अभियांत्रिकी सेवा के परिवीक्षाधीन अधिकारियों के साथ राष्ट्रपति भवन में मुलाकात के दौरान यह बात कही। रक्षा संपदा सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि तेजी से बदलती प्रौद्योगिकी के इस युग में डिजिटल समाधानों का एकीकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा," प्रौद्योगिकी में प्रगति से अवगत रहना और उन्हें ने कामकाज में लाना उनका कर्तव्य है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ड्रोन–आधारित भूमि सर्वेक्षण, उपग्रह चित्र और संपत्ति रिकॉर्ड रखरखाव के लिए ब्लॉकचेन अब भविष्य की अवधारणाएँ नहीं रह गई हैं, बल्कि ये शासन का हिस्सा बन रही हैं।" उन्होंने अधिकारियों से बुनियादी ढाँचे के विकास में पर्यावरण–अनुकूल पद्धतियों को अपनाने,नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों को अपनाने, अपव्यय को कम करने और छावनियों में जल संरक्षण सुनिश्चित करने की सलाह दी। सैन्य अभियंता सेवा (एमईएस) के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि सैन्य निर्माण के क्षेत्र में उभरते नेतृत्व के रूप में, युवा एमईएस अधिकारियों की न केवल निर्माण, बल्कि जिम्मेदारी के साथ निर्माण करने की भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि उन्हें सतत विकास को बढ़ावा देने और रक्षा अवसंरचना के कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। राष्ट्रपति ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि एमईएस 'आत्मनिर्भर भारत' के राष्ट्रीय दृष्टिकोण के अनुरूप 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत स्वदेशी सामग्रियों और प्रौद्योगिकियों के उपयोग को सक्रिय रूप से बढ़ावा दे रहा है। केंद्रीय जल अभियांत्रिकी सेवा के अधिकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि जल संसाधनों का सतत विकास और कुशल प्रबंधन जल सुरक्षा और विकास की कुंजी है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ जल और जल संरक्षण को बढ़ावा देकर जन स्वास्थ्य में सुधार, कृषि उत्पादकता को बढ़ावा और प्राकृतिक संसाधनों का सतत उपयोग सुनिश्चित किया जा सकता है।

'संसद में सड़क जैसा व्यवहार'

लोकसभा में विपक्ष के हंगामे पर बिफरे स्पीकर बिरला ने चेताया

नई दिल्ली,(एजेंसी)। लोकसभा में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान बिहार में रेल परियोजनाएं विषय पर चर्चा चल रही थी। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर हंगामा किया। सांसदों के हंगामे को लेकर लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भड़क गए। आइए जानते हैं उन्होंने विपक्षी सांसदों से क्या कहा. ..? लोकसभा में बुधवार को प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष ने बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण के मुद्दे पर जमकर हंगामा किया। बुधवार को जब विपक्षी सांसदों ने हंगामा किया तो लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भड़क गए। उन्होंने विपक्षी सांसदों को चेतावनी देते हुए कहा कि आप सड़क का व्यवहार संसद में कर रहे हैं। ये देश देख रहा है। उन्होंने कहा कि सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी। बता दें कि लगातार तीन दिन से हो रहे विपक्ष के हंगामे के चलते लोकसभा को स्थगित करना पड़ रहा है। संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हुआ है। निचले सदन में प्रश्नकाल के दौरान शबिहार में रेल परियोजनाएंश विषय पर चर्चा चल रही थी। इस दौरान विपक्षी सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर हंगामा किया। सांसदों के हंगामे को लेकर लोकसभा स्पीकर बिरला भड़क गए। उन्होंने कहा कि संसद हमारे गौरवशाली लोकतंत्र की सर्वोच्च संस्था है। सांसदों से मेरी अपेक्षा रहती है कि संसद के अंदर आपका आचरण, व्यवहार, कार्यपद्धति मर्यादित रहना चाहिए। देश की जनता ने आपको यहां पर उनकी आवाज, उनकी चुनौतियों, उनकी अपेक्षाएं और देश के मुद्दों पर चर्चा करने के लिए भेजा है। लोकसभा स्पीकर ने आगे कहा कि आपका जो व्यवहार है वो सड़कों का है। यह आचरण और व्यवहार आप संसद में कर रहे हैं। ये देश देख रहा है। मैं सभी राजनीतिक दलों से कहता हूं कि देश उनके सदस्यों के आचरण को देख रहा है। मैं दोबारा कह रहा हूं कि सदन में तख्तियां लेकर आने वालों पर मुझे निर्णायक कार्रवाई करनी पड़ेगी।

आप जाइए, सदन में बैठिए और मुद्दों पर चर्चा कीजिए। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ने कार्यवाही को दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। तीन दिन से विपक्ष कर रहा हंगामा संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से शुरू हुआ है। बीते दो दिनों से लगातार संसद की कार्रवाई हंगामे की भेंट चढ़ रही है। पहले दिन विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमले के मुद्दे को लेकर हंगामा किया। इसके बाद दूसरे दिन बिहार में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर हंगामा हुआ। संसद के अंदर से लेकर बाहर तक सियासी संग्राम देखने को मिला। विपक्षी सदस्यों ने लोकसभा में बिहार एसआईआर का मुद्दा उठाया और जमकर हंगामा किया।

प्रदेश में भूस्खलन से 385 सड़कें बाधित, इस मानसून में अब तक 135 लोगों की गई जान

शिमला,(एजेंसी)। प्रदेश में जगह–जगह भूस्खलन से कई सड़कें ठप हैं। इससे लोगों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। कई भागों में बारिश का दौर लगातार जारी है। हिमाचल प्रदेश में जगह–जगह भूस्खलन से कई सड़कें ठप हैं। इससे लोगों की दुश्वारियां बढ़ गई हैं। कई भागों में बारिश का दौर लगातार जारी है। बुधवार सुबह 10रू00 बजे तक राज्य में दो नेशनल हाईवे सहित 385 सड़कें बाधित रहीं। 263 बिजली ट्रांसफार्मर व 220 जल आपूर्ति योजनाएं भी प्रभावित हैं। आपदा प्रभावित मंडी जिले में सबसे अधिक 251 सड़कें, 128 बिजली ट्रांसफार्मर व 62 जल आपूर्ति स्कीमें प्रभावित हैं। कुल्लू जिले में 78 सड़कें ठप हैं। इतने दिन बरसेंगे बादल बीते 24 घंटों के दौरान मनाली में 57.0, सराहन 37.5, घमरूर 36.2, नगरोटा सूरियां 32.2, अघार 30.6, मुरारी देवी 29.4, गुलेर 27.4, बिलासपुर 27.0, भराड़ी 25.2, काहू 24.2 व बरठीं में 23.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार राज्य के कई भागों में 29 जुलाई तक बारिश जारी रहने का पूर्वानुमान है। 23, 26 और 29 जुलाई को कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। 27 और 28 जुलाई को अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। जबकि 24 और 25 जुलाई को कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। 24 व 27 से 29 जुलाई तक कुछ स्थानों पर भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। मानसून में अब तक 1471 कच्चे–पक्के घर क्षतिग्रस्त प्रदेश में इस मानसून सीजन में 20 जून से 22 जुलाई तक 135 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। 224 लोग घायल हुए हैं। 34 लोग अभी भी लापता हैं। इस दौरान 59 लोगों की सड़क हादसों में मौत हुई है। बादल फटने, भूस्खलन, बाढ़ से अब तक 1471 कच्चे–पक्के घरों, दुकानों को क्षति हुई है। 1037 गोशालाएं भी क्षतिग्रस्त हुई हैं। 1327 पालतु पशुओं की मौत हुई है। नुकसान का कुल आंकड़ा 1,24,736.71 लाख रुपये पहुंच गया है। वहीं अगले 3–4 दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में 3–5 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। उसके बाद तापमान में 3–5 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है। किन्नौर कैलाश यात्रा फिर शुरू मौसम की अनुकूल स्थिति तथा यात्रा मार्ग पर बहाली कार्यों के पूर्ण हो जाने के कारण किन्नौर कैलाश यात्रा बुधवार को फिर से आरंभ कर दी गई है।

'तुम सब मरोगे, बच्चों को भी मरना होगा'

यूपी के स्कूलों को मेल से मिली खौफनाक धमकी, आगरा-कानपुर-मेरठ में हड़कंप

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के कई शहरों में स्थित स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले हैं। इस घटना से आगरा, कानपुर और मेरठ सहित कई जिलों में हड़कंप मच गया है। ईमेल में बेहद खतरनाक और डरावनी बातें लिखी गई हैं, जिनमें छात्रों को जान से मारने... स्नबादवू छमूेरू उत्तर प्रदेश के कई शहरों में स्थित स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी भरे ईमेल मिले हैं। इस घटना से आगरा, कानपुर और मेरठ सहित कई जिलों में हड़कंप मच गया है। ईमेल में बेहद खतरनाक और डरावनी

बातें लिखी गई हैं, जिनमें छात्रों को जान से मारने की धमकी तक दी गई है। ईमेल में क्या लिखा था? पुलिस को जो ईमेल मिला है, उसमें लिखा गया है कि हमने स्कूल की इमारत के अंदर कई बम छिपा दिए हैं। तुम सब मरोगे। तुम्हारे बच्चों को मरना होगा। स्कूल अब खून-खराबे की जगह बनेगा। यह मैसेज सिर्फ तुम्हारे लिए नहीं, पूरे भारत के स्कूलों के लिए है। इस बार भारत को हमारी पीड़ा समझनी होगी। ईमेल के अंत में इस श्आतंकी हमलेश के लिए श्तकपबंसश और श्पसमदबमश नामक संगठनों को जिम्मेदार बताया गया है। क्या हुआ ईमेल मिलने के बाद? जैसे ही यह ईमेल स्कूल प्रशासन को मिला, उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचित किया। बम निरोधक दस्ता, फायर ब्रिगेड, और स्थानीय पुलिस की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। स्कूल भवन की गहन तलाशी ली गई। अभी तक किसी भी स्कूल में कोई बम या विस्फोटक नहीं मिला, जो राहत की बात है। सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सभी प्रभावित जिलों में स्कूलों की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। बच्चों की सुरक्षा के लिए स्कूल प्रशासन को एहतियात बरतने के निर्देश दिए गए हैं। मामले की जांच साइबर सेल और सुरक्षा एजेंसियों को सौंप दी गई है, जो यह पता लगाने की कोशिश कर रही हैं कि यह ईमेल कहां से भेजा गया और इसके पीछे कौन लोग हैं। दिल्ली में भी मिल चुकी हैं धमकियां यह पहली बार नहीं है जब स्कूलों को धमकी मिली हो। कुछ हफ्ते पहले दिल्ली के कई स्कूलों को भी ऐसे ही धमकी भरे ईमेल मिले थे, जिनमें बम विस्फोट की बात कही गई थी। हालांकि तब भी कोई विस्फोटक नहीं मिला था, लेकिन ऐसे मामलों से अभिभावकों और बच्चों में डर बना रहता है। बच्चों की सुरक्षा सबसे ऊपर सरकार और प्रशासन ने साफ कर दिया है कि बच्चों की सुरक्षा में कोई कमी नहीं रखी जाएगी। हर ईमेल की पूरी गंभीरता से जांच की जा रही है। इसके पीछे आतंकी मानसिकता वाले लोगों की साजिश हो सकती है, जिसे जड़ से पकड़ने के लिए साइबर इन्वेस्टिगेशन शुरू हो चुका है।

फाइलेरिया उन्मूलन को यूपीएसआरएलएम और बेसिक शिक्षा विभाग भी आए साथ

लखनऊ,(यूएनएस)। माध्यमिक शिक्षा विभाग के बाद 27 जनपदों के बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों व उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (यूपीएसआरएलएम) के अधिकारियों ने फाइलेरिया उन्मूलन के लिए सर्वजन दवा सेवन (एमडीए) अभियान को पूर्ण सहयोग देने का संकल्प लिया है। बुधवार को पहले इन 27 जनपदों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों (बीएसए) और खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को संवेदित किया गया। उसके बाद यूपीएसआरएलएम के जिला व ब्लाक स्तर अधिकारियों को। राज्य फाइलेरिया अधिकारी डॉ. ए.के. चौधरी ने बच्चों को फाइलेरिया संक्रमण से बचाने के महत्व पर जोर दिया, जिसके लक्षण 5 से 15 साल बाद दिखाई देते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बच्चों को इस बीमारी की गंभीरता के बारे में बताया जाना चाहिए और मध्याह्न भोजन के बाद उन्हें दवा दी जानी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग फाइलेरिया से प्रभावित क्षेत्रों से अवगत है और एमडीए ब्लॉकों का चयन तदनुसार किया गया है। डॉ. चौधरी ने अधिकारियों से एमडीए अभियान का समर्थन करने और यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि बच्चों को फाइलेरिया रोधी दवा मिले। डॉ. चौधरी ने बेसिक शिक्षा विभाग के पिछले सहयोग की सराहना की। कार्यक्रम में 30 वर्षों से फाइलेरिया के रोगी महेंद्र सिंह ने प्रस्तुति दी, जिसमें उन्होंने व्यक्तिगत अनुभव और इस बीमारी के कमजोर करने वाले प्रभावों के बारे में बताया। उन्होंने बच्चों के भविष्य के स्वास्थ्य के लिए दवा के महत्व पर जोर दिया और दूसरों को भी अपनी तरह की पीड़ा से बचाने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे सामुदायिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता एमडीए अभियान के दौरान लोगों को फाइलेरिया-रोधी दवा के लाभों के बारे में शिक्षित करते हैं। महेंद्र को देख व सुनकर एमडीए वाले 27 जिलों के बीएसए ने कार्यक्रम को गंभीरता से लागू करने की प्रतिबद्धता जताई। डॉ. चौधरी ने महेंद्र के पीड़ित से फाइलेरिया के खिलाफ लड़ाई में मूल्यवान संसाधन बनने के परिवर्तन पर प्रकाश डाला और अधिकारियों से 2027 तक इस बीमारी को खत्म करने में सहयोग करने का आग्रह किया। महानिदेशक बेसिक शिक्षा कार्यालय के अधिकारी सलाहुद्दीन खान ने स्कूलों को प्रार्थना सभाओं के दौरान फाइलेरिया के बारे में जागरूकता बढ़ाने, 8 अगस्त को जन जागरूकता रैली आयोजित करने और 10 अगस्त को स्कूल परिसर में दवा खिलाने के निर्देश दिए।

नहर में पानी नही,किसान परेशान,अभियंता सुनते नहीं, न हो पा रही धान की रोपाई न सिचाई

लखनऊ,(यूएनएस)। किसानों की आय दोगुनी करने का दावा निरन्तर सरकार द्वारा किया जा रहा है लेकिन किसानों की खुशहाली खेतों और खलिहानों से होकर आती है ।जब किसान की फसल अच्छी होगी तभी तो कृषक के चेहरे पर रौनक आयेगी। तभी पढ़ेंगे बच्चे और आगे बढ़ेंगे ।देश और प्रदेश की80 फीसदी आबादी गांवों में बसती है और खेती पर निर्भर है ।आजकल धान की रोपाई का सीजन चल रहा है ।किसानों को न उन्नत बीज मिल रहा न खाद ।नहरे सूखी पड़ी हैं ।बिन पानी सब सून ।जल शक्ति मंत्रालय से लेकर जिलों में तैनात सिचाई विभाग के अभियंता तक किसानों के खेतों तक पानी पहुंचाने का दावा करते हैं।

सरकार दिव्यांगों पर मेहरबान, कर्मचारी नही

लखनऊ,(यूएनएस)। राज्य सरकार दिव्यांगों के सशक्तिकरण और स्वावलंबन पर बराबर फोकस कर रही है और उनके लिए अनेक योजनाएं भी लागू कर रही है। इनको समाज मे समुचित सम्मान मिले,इस खास ध्यान दिया जा रहा है लेकिन कुछ अफसरों और कर्मचारियों के कारण दिव्यांगों को दर दर भटकना पड़ रहा है। रिश्वतखोरी का आलम यह है कि श्दोश तो ठीक वर्ना बना बनाया काम बिगाड़ने में तनिक भी देरी नहीं लगाते हैं। यह उदगार हैं बाराबंकी जिले की तहसील रामसनेही घाट अंतर्गत कस्बा सुमेरगंज निवासी भुक्तभोगी दिव्यांग संजय कुमार श्रीवास्तव पुत्र विजय कुमार श्रीवास्तव के ।उन्होंने उच्चाधिकारियों से गुहार लगाते हुए अवगत कराया है कि मैं दाहिने पैर से विकलांग हूं। विकलांग कार्ड बनवाने के लिए मैंने जनसेवा से ऑनलाइन आवेदन करके 5 अगस्त 2023 को मुख्य चिकित्सा अधिकारी बाराबंकी कार्यालय जाकर संबंधित अधिकारी के सामने विकलांगता दिखाकर अपना फार्म जमा कर दिया ।इसके बाद संबंधित अधिकारी द्वारा 5 अगस्त 2023से 5 अगस्त 2024 तक के लिए टेंपरेरी दिव्यांग कार्ड 40 प्रतिशत का बना दिया गया था। 1 वर्ष पूर्ण होने पर जब मैं अपना दिव्यांग कार्ड रिन्यूअल कराने के लिए सीएमओ बाराबंकी कार्यालय के दिव्यांग विभाग में जाकर सम्बंधित उस कर्मचारी से मिला जो कि दिव्यांग विभाग में कार्यभार देखते हैं ,जिसपर उन्होंने हमारा टेंपरेरी कार्ड वी आधार कार्ड तथा रिनीवल की एप्लीकेशन जमाकर ली। इसके तीन दिन बाद नेट पर चेक किया तो विकलांग कार्ड टेंपरेरी 40 प्रतिशत से परमानेंट 40 प्रतिशत हो गया था। जिसको नेट से जनसेवा केंद्र के माध्यम से निकलवा लिया, लेकिन सम्बंधित कर्मचारी द्वारा सर्टिफिकेट नहीं बनाया गया। इस बाबत सीएमओ दफ्तर जाकर उसी कर्मचारी से फिर मिला तब उनके द्वारा बताया गया की हम अभी कोई बात नहीं कर पाएंगे। मेरा मोबाइल नंबर ले लीजिए कल मुझे फोन कर लीजिएगा। जब मैं दूसरे दिन उन्हें फोन किया तो परमानेंट सर्टिफिकेट बनाने के लिए सम्बंधित कर्मचारी द्वारा मोबाइल पर 3000 रूपये की मांग की गई लेकिन प्रति अत्यंत गरीब होने के कारण 3000 देने में असमर्थता जताई तब उन्होंने कहा की इसतरह काम नहीं हो पाएगा। इसके बाद तत्काल उनके द्वारा हमारा विकलांग कार्ड तत्काल डिलीट कर दिया गया ।अब पीड़ित दिव्यांग संजय श्रीवास्तव इधर उधर भटक रहा है ।सरकार दिव्यांगों की मदद के पक्ष में है और कर्मचारी लूटखसोट में मस्त हैं। दिव्यांग संजय ने शासन और आला अफसरों मांग की है कि उसके साथ न्याय किया जाए और उत्पीड़न करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाय ताकि शारीरिक रूप से अक्षम लोगों का मानसिक और आर्थिक उत्पीड़न न होने पाए।

मालिक मुद्रक, प्रकाशक, आशीष सेंगर द्वारा विभा प्रिंटर्स मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग,हाथरस से मुद्रित एवं प्रधान कार्यालय मुन्शी गजाधर सिंह मार्ग सरस्वती कुंज हाथरस से प्रकाशित।
RNI- UPHIN/2007/23475
सम्पादकः अंजली शर्मा
मो. 9410427880 09319426268
Email:-
bhavyaprabhat@gmail.com
समस्त समाचारों के चयन एवं उनसे उत्पन्न विवादों के लिये पी.आर.बी.एक्ट के तहत जिम्मेदार।
समस्त विवादो का न्याय क्षेत्र हाथरस होगा।

छपाई
बिल बुक,लेटर पैड,पम्पलेट
पोस्टर,शादी कार्ड,अखबार
छपाई
आधुनिक कम्प्यूटराइज्ड मशीन द्वारा साफ सुन्दर एवं कलात्मक छपाई
विभा प्रिन्टर्स
मुंशी गजाधर सिंह मार्ग,अलीगढ़ रोड, हाथरस
मो० 9410427880 ,9319426268

डीएम ने राष्ट्रीय पशुरोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत एफएमडी टीकाकरण अभियान के प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना

(भव्य प्रभात)

हाथरस । राष्ट्रीय पशुरोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत एफ०एम०डी० (खुरपका,मुंहपका) टीकाकरण अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट परिसर से प्रचार वाहनध्टीकाकरण वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। राष्ट्रीय पशुरोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत एफ०एम०डी० (खुरपका,मुंहपका) टीकाकरण अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु दिनांक 23 जुलाई 2025 से 05 सितंबर 2025 तक यह अभियान चलाया जाएगा। अभियान की शुरुआत के अवसर पर जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय ने कलेक्ट्रेट परिसर से प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिलाधिकारी ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य जनपद के पशुओं को एफ०एम०डी० जैसे घातक रोग से बचाना और पशुपालकों की आजीविका को सुरक्षित बनाना है। टीकाकरण अभियान के महत्व को रेखांकित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा एफ०एम०डी०

(खुरपका,मुंहपका) जैसे संक्रामक रोग पशुओं के स्वास्थ्य और किसानों की आजीविका दोनों के लिए गंभीर खतरा हैं। इस टीकाकरण अभियान का उद्देश्य इन रोगों पर प्रभावी नियंत्रण पाना है। जनपद के हर पशुपालक तक जानकारी और सेवा पहुँचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। सभी संबंधित विभाग समन्वय बनाकर अभियान को सफल बनाएं।। इस मौके पर मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डा० विजय सिंह ने अवगत कराया कि राष्ट्रीय पशुरोग नियन्त्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत एफ०एम०डी० टीकाकरण अभियान दिनांक 23.07.2025 से दिनांक 05.09. 2025 तक कुल 45 दिवस तक किया जाना प्रस्तावित है। टीकाकरण अभियान के अन्तर्गत 17 टीमें कार्य करेगी, जो कि पशुपालकों के द्वार–द्वार जाकर पशुओं में टीकाकरण कार्य करेगी। टीकाकरण पूर्णतः निःशुल्क है। हाथरस जनपद में कुल 5,42,225 पशुधन है। जिसमें से 1,24,447 गाय और 4,17,778 महिषवंशीय है, जिनमें टीकाकरण होना है, आवश्यक वैक्सीन जनपद मुख्यालय पर भण्डारित है। अभियान के दौरान सर्वप्रथम जनपद की समस्त गौशालाओं,गौ आश्रय स्थलों को टीकाकृत किया जायेगा एवं जनपद में टीकाकरण के लिए उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी,पशुचिकित्साधिकारी व पशुधन प्रसार अधिकारी,मोबाईल वैटेरिनरी यूनिट की टीमध पशुमित्रों द्वारा टीकाकरण कार्य किया जायेगा। टीकाकरण के बाद उसी दिन पशुधन एवं पशुपालक का सम्पूर्ण विवरण भारत पशुधन एप पर अपलोड करना होगा। जिन पशुपालकों ने पशुओं का पंजीकरण नहीं कराया है, टीकाकरण से पूर्व पशु के कान में टैग,छल्ला होना अनिवार्य होगा। जिस पशु के टैग नहीं होगा, टीम द्वारा पहले टैगिंग, उसके बाद टीकाकरण किया जायेगा। टीकाकरण के सफल क्रियान्वयन हेतु डा० गोपाल सिंह, पशुचिकित्साधिकारीध्नोडल अधिकारी को नामित करते हुए मुख्यालय पर कन्ट्रोल रूम की स्थापना की गई है, जिसका मोबाइल नं० 8765957904, 8218379987 सक्रिय है।

धान खरीद हेतु 13 क्रय केन्द्र अनुमोदित ,एडीएम जिला खरीद अधिकारी नामित

(भव्य प्रभात)

हाथरस । खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 के मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत धान खरीद हेतु जारी शासन द्वारा समय सारणी में दिये गये निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी राहुल पाण्डेय द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025–26 में धान खरीद प्रक्रिया के सत्त अनुश्रवण एवं पर्यवेक्षण हेतु अपर जिलाधिकारी(वि0ध्रा0)धजिला खरीद अधिकारी को प्रभारी अधिकारी, धान खरीद 2025–26 नामित किया गया है। अपर जिलाधिकारी(वि0ध्रा0)धजिला खरीद अधिकारी समय–समय पर धान खरीद के सम्बन्ध में निर्गत सुसंगत शासनादेशों के अनुसार जनपद में धान खरीद कार्य सम्पादित करायेंगे। जिलाधिकारी द्वारा जनपद में मूल्य समर्थन योजनान्तर्गत आगामी धान क्रय हेतु क्रय संस्था खाद्य विभाग के 07 तथा क्रय संस्था पी0सी0एफ0 के 06 कुल 13 (तेरह) धान क्रय केन्द्र अनुमोदित किये गये हैं। तहसील हाथरस में 02, तहसील सादाबाद में 02, तहसील सिकन्द्राराऊ में 07 तथा तहसील सासनी में 02 कुल 13 (तेरह) धान क्रय केन्द्र संचालित किये जायेगें। धान खरीद वर्ष 2025–26 दिनांक 01 अक्टूबर, 2025 से दिनांक 31 जनवरी, 2026 तक होगी। कृषकों को अधिक से अधिक लाभान्वित कराये जाने की मंशा से शासन द्वारा कॉमन धान का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2369– प्रति कुन्तल तथा ग्रेड 'ए' का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2389–प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया है। धान विक्रय हेतु कृषकों द्वारा खाद्य विभाग के पोर्टल.बि.नच.हवअ. पद पर पूर्व से पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा तथा पंजीकृत कृषकों से ही धान क्रय किया जायेगा। शिकायत, सुझाव एवं समस्या निराकरण हेतु विभाग का टोल फ्री नम्बर 18001800150 है। आगामी धान खरीद हेतु अन्य जानकारी के लिये जिला खाद्य विपणन अधिकारी के मोबाइल नं0 9415248592 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

श्री वेद भगवान सनातन धर्म सभा रजिस्टर्ड का प्रतिनिधि मंडल मिला उपजिलाधिकारी से, विभिन्न मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

(भव्य प्रभात)

हाथरस। श्री वेद भगवान सनातन धर्म सभा रजिस्टर्ड का एक प्रतिनिधि मंडल श्री वेद भगवान के अध्यक्ष डॉ जितेंद्र स्वरुप शर्मा के नेतृत्व में राजबहादुर सिंह उप जिलाधिकारी सदर व श्री दाऊजी महाराज मेला मजिस्ट्रेट से भेंट कर उन्हें ज्ञापन प्रेषित किया। ज्ञापन मैं श्री वेद भगवान की शोभायात्रा भाद्रपद शुक्ल पक्ष गणेश चतुर्थी बुधवार शुभ संवत 2082 तद्नुसार 27 अगस्त 2025 को श्री वेद भगवान की शोभायात्रा से ही परंपरागत श्री दाऊजी महाराज का लक्खी मेला का शुभारंभ होता है। उप जिला अधिकारी को श्री वेद भगवान की प्रसादी स्वरूप श्री वेद भगवान की पीतपटिक विध– विधान ष्मंत्र उच्चारणष के साथ सम्मानित किया गया। ज्ञापन में जहां शोभा यात्रा में दी जाने वाली धनराशि में बढ़ोतरी किए जाने तथा श्री वेद भगवान की शोभायात्रा से पूर्व श्री वेद भगवान शिविर की रंगाई, पुताई, बिजली, पानी, की व्यवस्था तथा रूधर्म प्रेमियोंष के बैठने की व्यवस्था हेतु निवेदन किया गया। उप जिलाधिकारी द्वारा शीघ्र ही वेद भगवान शिविर में कार्य शुरू कर दिए जाने तथा श्री वेद भगवान शोभा यात्रा को मिलने वाली धनराशि के लिए जिलाधिकारी महोदय को अपनी संस्वति किए जाने का आश्वासन दिया। उप जिलाधिकारी महोदय से जनप्रतिनिधियोंष की बैठक बुलाने के लिए भी अनुरोध किया गया। प्रतिनिधि मंडल में ष्भागवताचार्यष गणेश वशिष्ठ, ष्आचार्यष यबागीष कुमार शर्मा, भंवर सिंह पौरष, ष्बीएसएष सत्येंद्र स्वरुप शर्मा ष्फौजीष जयप्रकाश तिवारी, ष्मानवाधिकारष राजू शर्मा ष्मीडिया आदि उपस्थित थे।

विद्युत पोल में आया करंट, गाय की मौत, वार्ड के निवासियों ने किया हंगामा

हाथरस। शहर के वालापट्टी वार्ड 12 बांके बिहारी कॉलोनी के निकट हादसा बुधवार की सुबह बिजली के पोल में भयानक करंट आ गया।

रोडवेज के कंडक्टर व ड्राइवरों ने मांगों को लेकर किया धरना प्रदर्शन, सदर विधायक के हस्तक्षेप के बाद समाप्त

(भव्य प्रभात)

हाथरस।उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के वर्कशॉप पर संविदा कंडक्टरों और ड्राइवरों ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर जोरदार धरना–प्रदर्शन किया। प्रदर्शन की जानकारी मिलते ही सदर विधायक अंजुला सिंह माहौर मौके पर पहुंचीं। उनके हस्तक्षेप के बाद धरना प्रदर्शन समाप्त हो गया। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के वर्कशॉप पर संविदा कंडक्टरों और ड्राइवरों ने माँगो को लेकर आज सुबह धरना प्रदर्शन किया। धरना की जानकारी होते ही सस्र विधायक मोके पर पहुँच गई। उन्होंने कर्मचारियों से बातचीत की और तत्काल एआरएम को धरना स्थल पर बुलवाया। सभी मांगों की सूची मंगवाकर मौके पर ही अधिकारियों के माध्यम से समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराया गया। इसके बाद प्रदर्शनकारी कर्मचारियों ने शरण समाप्त कर दिया। मौके पर प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। सदर विधायक के साथ भाजपा नगर अध्यक्ष मूलचंद वार्ष्णेय, प्रशांत शर्मा, विष्णु बघेल, रजत अग्रवाल एवं संजय सक्सेना सहित कई गणमान्य मौजूद रहे।

साहित्यिक संस्था ब्रज कला केंद्र ने मनाई महान स्वतंत्रता सेनानी शहीद चंद्रशेखर आजाद एवं बाल गंगाधर तिलक की जयंती

(भव्य प्रभात)

हाथरस। स्वतंत्रता संग्राम के दो महान सेनानी शहीद चंद्रशेखर आजाद एवं बाल गंगाधर तिलक की जयंती आज साहित्यिक संस्था ब्रज कला केंद्र के तत्वावधान में शहीद भगत सिंह पार्क

पर शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा एवं बाल गंगाधर तिलक के छवि चित्र पर अध्यक्ष चंद्रगुप्त विक्रमादित्य एवं उपस्थित साहित्यकारों ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया उसके उपरांत कार्यालय श्री राधा कृष्ण कृपा भवन आगरा रोड पर वरिष्ठ साहित्यकार एवं चिकित्सा ओमप्रकाश शर्मा चाचा हाथरसी की अध्यक्षता में काव्य गोष्ठी का आयोजन कर दोनों महान शक्तियों को नमन किया गया कार्यक्रम का संचालन कवि दीपक रफी ने किया ब्रज कला केंद्र के अध्यक्ष चंद्रगुप्त विक्रमादित्य ने कहां की बाल गंगाधर तिलक, जिन्हें लोकमान्य तिलक के नाम से भी जाना जाता है, एक भारतीय राष्ट्रवादी, शिक्षक, समाज सुधारक, वकील और स्वतंत्रता सेनानी थे। वे भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के शुरुआती नेताओं में से एक थे और स्वराज (स्वशासन) के प्रबल समर्थक थे। वही चंद्रशेखर आजाद जैसे महान सेनानी जिन्होंने अंग्रेजों की गुलामी को सहन न करके मौत को युवा अवस्था में गले लगा लिया उन्होंने कहा था दुश्मन की गोलियों का सामना करेंगे आजाद ही रहे हैं और आजाद ही रहेंगे ब्रजकला केंद्र के राष्ट्रीय संयुक्त सचिव आशु कवि अनिल बोहरे ने कहा कि बाल गंगाधर तिलक को ष्लोकमान्यष की उपाधि दी गई, जिसका अर्थ है ष्लोगों द्वारा स्वीकृतष या ष्लोगों का नेताष। तो वहीं वरिष्ठ साहित्यकार श्याम बाबू चिंतन ने कहा कि बाल गंगाधर तिलक का प्रसिद्ध नारा ''स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है और मैं इसे लेकर रहूँगा ''आज भी लोकप्रिय है। कार्यक्रम अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा चाचा हाथरसी ने कहा कि तिलक एक कट्टरपंथी राष्ट्रवादी थे और उन्होंने ब्रिटिश शासन से पूर्ण स्वतंत्रता की वकालत की। तो वही चंद्रशेखर आजाद आज के युवाओं के लिए प्रेरणा है पंडित अविनाश चंद्र पचोरी एवं कवि रोशन लाल वर्मा ने कहा कि तिलक ने शिक्षा और सामाजिक सुधारों के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा और सामाजिक समानता का समर्थन किया। इस अवसर पर संस्कार भारती के अध्यक्ष चेतन उपाध्याय ने काव्य पाठ करते हुए कहा कि सूरज सितारे सारे हैं तुम्हारे हमारे तो सर नींव के ईंट गारे इस अवसर पर प्रभु दयाल दीक्षित प्रभु,हरिशंकर वर्मा, बीना गुप्ता एडवोकेट,बाबा देवी सिंह निडरयराधाकृष्ण शर्मा,कपिल नरूला, पियूष अग्निहोत्रीयविष्णु कुमार, नारायण प्रसाद पिप्पल,पन्नालाल आदि मौजूद थे।

त्रिलोक के नाथ भोलेनाथ का किया अलौकिक श्रृंगार, दर्शनों को उमड़े भक्त

(भव्य प्रभात)
सादाबाद। सावन माह की शिवरात्रि पर स्थानीय त्यागी कॉलोनी स्थित श्री चिंताहरण नर्मदेश्वर महादेव मंदिर पर भगवान शिव का विशेष श्रृंगार किया गया। भक्तों ने त्रिलोक के नाथ भोलेनाथ को विभिन्न प्रकार के वस्त्र, आभूषण, सुंगधित द्रव्यों से सजाया। यहां रंग बिरंगी बर्फ की सिल्लियों से भी आकर्षक साज सज्जा की गई। यहां दर्शन करने के लिए श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। सुबह से लेकर देर रात तक मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान रहा। बेलपत्र, धतूरा, दूध, दही, शहद आदि से भोलेनाथ का अभिषेक किया गया। मंदिर में सभी श्रद्धालुओं को प्रसादी का वितरण किया गया। पंडित योगेश शरण शास्त्री ने बताया कि भगवान शिव की पूजा करने से सभी प्रकार के कष्ट दूर हो जाते हैं।

आजादी के महानायक वीर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई

(भव्य प्रभात)
सादाबाद। मुरसान रोड स्थित एक परिसर में बुधवार को आजादी के नायक चंद्रशेखर आजाद की जयंती मनाई गई। उनके छविचित्र के समक्ष पुष्प अर्पित किए गए।
युवा समाजसेवी अनूप चौधरी ने कहा कि बचपन में अंग्रेजों द्वारा दिए गए 15 कोड़ों के दंड के बाद आजाद ने प्रण लिया कि वे कभी अंग्रेजों के हाथ नहीं आएंगे। अपने इस प्रण को निभाते हुए 27 फरवरी 1931 को इलाहाबाद के अल्फ्रेड पार्क में पुलिस से घिर जाने पर उन्होंने स्वयं को गोली मार ली। गांधीजी के असहयोग आंदोलन से जुड़ने के बाद आजाद ने स्वतंत्रता संग्राम में अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उनके क्रांतिकारी कार्यों ने स्वतंत्रता आंदोलन को निरंतर मजबूती प्रदान की। मौके पर तनु षर्मा, सोनम वर्मा, प्रेमवती व बच्चे भी मौजूद रहे।

राजस्थान बोर्ड १० वीं की परीक्षा में ९५ फीसदी अंक लाने पर मयंक का किया स्वागत

(भव्य प्रभात)
सादाबाद। गांव गढ़वे अरौठा स्थित सांई मंदिर पर बुधवार को संकीर्तन का आयोजन किया गया। इस संकीर्तन के बाद गांव के छात्र मयंक चौधरी पुत्र विनीत कुमार द्वारा राजस्थान बोर्ड 10 वीं में 95 फीसदी अंक लाने पर समाजसेवी तेजवीर सिंह द्वारा लैपटॉप प्रदान कर सम्मानित किया गया। तेजवीर सिंह ने बताया वह लगातार समाजसेवा का कार्य करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। गांव को मयंक चौधरी जैसे होनहार युवाओं की काफी जरूरत है। यदि गांव के अन्य युवा भी इस तरह से मेहनत करेंगे, तो उनकी प्रतिभा को भी सम्मान मिलेगा।

बकाया वसूली करने गए संग्रह अमीन से खींचतान, बकाया मांग पत्र छुड़ाकर फाड़ा

सादाबाद। वसूली करने गांव टीकेत में गए सादाबाद तहसील के संग्रह अमीन के साथ अभद्रता की गई। इस मामले में संग्रह अमीन ने एसडीएम और तहसीलदार को शिकायती पत्र सौंपा है। शिकायती पत्र में संग्रह अमीन धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि 22 जुलाई को दोपहर करीब पौने 12 बजे एक बाकीदार से ग्राम समाज हर्जाना की बकाया धनराशि 25833 रूपये की वसूली करने गांव में पहुंचा तो बताया गया कि बाकीदार खेत पर है। जब वह खेत पर जाने लगा तो रास्ते में बाकीदार का बेटा मिला और बकाया वसूली की बात करने पर उग्र हो गया। आरोप है कि उक्त युवक ने बकाया मांग पत्र को छुड़ाकर फाड़ दिया और खींचतान करने लगा। लेखपाल व अन्य अधिकारियों को गाली गलौज देने लगा और मारपीट कर नलकूप पर बांध डालने की धमकी देने लगा। धमकी दी कि दुबारा वसूली करने आया तो बिना पिटे नहीं जाएगा।

हॉस्पीटल में मारपीट के मामले में दूसरे पक्षे ने दर्ज कराई रिपोर्ट

सादाबाद। गांव रदोई बुर्ज बल्देव निवासी सतेंद्र सिंह ने सादाबाद कोतवाली में भूपेंद्र, दिगम्बर सिंह, योगेंद्र और भगत सिंह निवासी गांव नगला बक्सा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में सतेंद्र सिंह ने बताया कि 17 जुलाई को वह अपने हॉस्पीटल दीया बिसावर में ऊपर की मंजिल पर पूजापाठ का कार्यक्रम करा रहा था। दोपहर करीब साढ़े 11 बजे भूपेंद्र अपने तीन साथिों के साथ हॉस्पीटल में आया। भूपेंद्र के शरीर पर एक्सीडेंट की चोट थी। नियमानुसार स्टाफ द्वारा उपचार किया जा रहा था।
इसी दौरान भूपेंद्र का एक्सीडेंट करने वाले दूसरे पक्ष के गांव टीकैत निवासी लोग भी हॉस्पीटल में आ गए। पहले दोनों पक्षों में राजीनाम की बात चली, लेकिन राजीनामा नहीं हुआ। हॉस्पीटल कर्मचारी जीतेश, आकाश के द्वारा भूपेंद्र का एक्सरे किया गया। एक्सरे के रूपये मांगे तो दोनों पक्ष रूपये देने की बात टालते रहे। दोनों पक्षों के मध्य विवाद होने लगा।
भूपेंद्र के साथ आए नामजदों व दूसरे पक्ष के लोगों में गाली गलौज और हाथापाई हो गई। जब जीतेश व आकाश ने बीच बचाव किया तो सभी ने मिलकर उसके स्टाफ को एक्सरे रूम में बंद कर डंडों व झाडू से पीटा, जिससे कर्मचारी घायल हो गए। यह नामजद उनके केंबिन में घुस आए। ईंट पत्थर व मारपीट में काफी नुकसान हो गया।

बाइक चोरी के मामले में रिपोर्ट दर्ज

सादाबाद। गांव गुरसौटी निवासी अमन चौहान ने सादाबाद कोतवाली में बाइक चोरी के मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में अमन ने बताया कि 20 जुलाई को हाथरस रोड मुरसान चौराहा से पहले सादाबाद स्थित एक पैथलॉजी पर अपनी बाइक से गया था, जिसको वह लैब के नीचे खड़ा करके दूसरी मंजिल पर ऊपर गया था, जब वह आधा घंटे बाद लौटकर नीचे आया तो उसकी बाइक गायब थी। बाइक को काफी तलाशा, लेकिन पता नहीं चला। कोई अज्ञात चोर बाइक को चोरी कर ले गया।

मां को मारपीट कर घर से निकाला, रूपये छीने

सादाबाद। गांव गढ़ उमराव निवासी ऊषा देवी पत्नी स्व. राजकुमार ने न्यायालय के आदेश पर सादाबाद कोतवाली में अपने गांव के बादल उर्फ भूरा, दाऊदयाल, मीना को नामजद करते हुए सादाबाद कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट में ऊषा ने बताया कि वह 65 वर्षीय वष्द्व महिला है। उसके ससुर उसे खर्चा के लिए छह हजार रूपये मासिक देते हैं, जिससे वह अपना खर्च चलाती है। उसके पास न कृषि भूमि है और न आय का कोई साधन है। उसके पुत्र बादल उर्फ भूरा व दाऊदयाल व पुत्रवधू मीना उससे आए दिन मारपीट करते हैं, जो रूपया ससुर देते हैं, उसको भी मारपीट कर जबरदस्ती लूट ले जाते हैं। वह खाने दाने को मोहताज है। उसकी विवाहित पुत्री हेमलता सिकंदरा आगरा से दो जून को उसे देखने आई थी। नौ जून की रात उक्त नामजदों ने उसके साथ घर के अंदर ही मारपीट की और घर में रखे फ्रिज, वांशिग मशीन को तोड़ दिया और अन्य सामान में तोड़फोड़ कर दी। उसकी जेब में रखे पांच हजार रूपये लूट लिए और उसे मारपीट कर घर से बाहर निकाल दिया। हेमलता ने बचाने का प्रयास किया तो उसे भी मारापीटा। उसके गले से एक तोले की सोने की चैन भी छीन ले गए। जान से मारने की धमकी दी। आए दिन नामजद उसे घर से बाहर निकाल देते हैं।

हार्ट अटैक से ८५ वर्शीय वश्द्ध की मौत, कोहराम

सादाबाद। गांव गढ़ तसींगा स्थित श्री कर्ण सिंह जनता इंटर कॉलेज के उपप्रबंधक रहे 85 वर्षीय डूंगर सिंह की बुधवार को हार्ट अटैक से मौत हो गई। इससे परिजनों में कोहराम मच गया। परिजन उन्हें उपचार के लिए भी ले गए, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मष्त घोषित कर दिया। डूंगर सिंह कॉलेज के वर्तमान उपप्रबंधक मनमोहन सिंह के पिता व बहुउद्देशीय सहकारी समिति की अध्यक्ष चित्रा देवी के ससुर थे। उनके निधन पर बसपा नेता सत्येंद्र शर्मा, विधायक गुड्डू चौधरी, अनिल शर्मा, श्यामवीर प्रधान, कन्हैयालाल, नेत्रपाल आदि काफी लोगों ने शोक संवेदना जाहिर की।

पत्रकारों के बने आयुष्मान कार्ड , मेला में पत्रकार शिविर का हो जीर्णोद्धार

पत्रकार हितों की विभिन्न मांगों को लेकर प्रेस क्लब ऑफ हाथरस के पदाधिकारियों ने की डीएम से मुलाकात, सौपा ज्ञापन

(भव्य प्रभात)

हाथरस। पत्रकार हितों के लिये समर्पित प्रेस क्लब आफ हाथरस द्वारा क्लब के अध्यक्ष के नेतृत्व में एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौपा। जिलाधिकारी के साथ सौहार्द पूर्ण वातावरण में हुई वार्ता में पत्रकारों के हितों के मुद्दों पर सहमति बनी है। अध्यक्ष उमाशंकर जैन ने ज्ञापन के माध्यम से जिलाधिकारी को बताया कि राजकीय मेला श्री दाऊ जी महाराज में पत्रकार शिविर जीर्णउद्धार करवाने , मेले के कार्यक्रमों के कवरेज हेतु पत्रकार दीर्घा बनवाने , मेले के विभिन्न कार्यक्रमों के संयोजक हेतु स्वच्छ छवि के व्यक्तियों का चयन करने , पत्रकारों की सुरक्षा हेतु आवश्यक निर्देश जारी करने , प्रेस क्लब हेतु भूमि आवंटन करने एवँ पत्रकारों के लिये आयुष्मान कार्ड बनवाने की मांग की गई है वहीँ जिलाधिकारी द्वारा आवश्यक कार्यवाही की बात कही गई है।

प्रेस क्लब ऑफ हाथरस के पदाधिकारियों ने क्लब के अध्यक्ष उमाशंकर जैन के नेतृत्व में जिलाधिकारी राहुल पांडेय से कलक्ट्रेट पहुँचकर मुलाकात की। पत्रकार हितों के लिये एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौपा। ज्ञापन में कहा है कि मेला श्री दाऊजी महाराज में बैठने के लिए पत्रकारो का शिविर बना हुआ है। इसकी स्थापना तत्कालीन जिलाधिकारी व वर्तमान में प्रमुख सचिव आलोक कुमार द्वारा वर्ष 2003 में की गयी थी। उनके नाम का शिलालेख भी लगा हुआ है। उस समय प्रैस क्लब के अध्यक्ष मेरे पिता स्वर्गीय लालता प्रसाद जैन थे। उनके निधन के बाद यह शिविर कई सालो से उजडा हुआ पडा हुआ है। मेला मंडाल के बाये हाथ पर बने इस शिविर की मरम्मत जीर्णोद्धार होना आवश्यक है। मेला के शुभारभ से पूर्व शिविर की मरम्मत कराकर उसमे पंडाल, पत्रकारो के लिये बैठने के लिये कुर्सी व पेयजल सहित मूलभूत व्यवस्था पूर्ण हो जाये ।

मेला पंडाल मे जब भी बडे कार्यक्रम आयोजित होते है तो पत्रकारो को कवरेज करने के लिये भारी परेशानी का सामना करना पडता है उन्हे बैठने के लिये कोई स्थान नही मिलता है, पत्रकारो को धक्के खाने पडते है। इन असुविधाओं मेला पंडाल के सामने उचित स्थान पर पत्रकारो व छायाकारो के लिये व्यवस्थित स्थान व इंटरनैट की व्यवस्था हो जाये जिससे मेला मे होने वाले कार्यक्रमो की कवरेज करने के लिये कोई व्यवधान न हो कई बार देखा गया है कि मेला मंडाल मे कार्यक्रमो मे प्रवेश के लिये पत्रकारो को परेशानी का सामना करना पडता है जिससे प्रशासन पत्रकारो के बीच सम्बधो मे कहडवाहट पैदा हो जाती है।

मेला श्री दाऊजी महाराज राजकीय घोषित हो गया है। मेला मे होने वाले विभिन्न कार्यक्रमो के संयोजक बनने के लिये बहुत लोग प्रार्थना पत्र देते है। कई बाद यह देखा गया है कि कार्यक्रम के संयोजक ऐसे लोगो को बना दिया जाता है जिनकी छवि शासन प्रशासन मे अच्छी नही होती है, कई बार संयोजक बदले भी गये है। संयोजक बनाने से पहले यह देख लिया जाये कि कार्यक्रम कराने वाले व्यक्ति क्षमता वान व आर्थिक रूप से मजबूत है या नही। अधिकांश कार्यक्रमो के संयोजक शहर के उद्यमी व व्यापारियो से लाखो रूपये का चंदा लेकर आर्थिक शोषण करते है। जबकि अलीगढ की नुमाइश मे कार्यक्रम कराने वाले कोई भी संयोजक चंदा नही करते है।

अक्सर यह देखा गया है कि जब भी किसी अधिकृत पत्रकारो के साथ किसी भी तरह की घटना होती है अथवा झूठी शिकायत होती है तो ऐसे मामलो की पहले गहरायी से जांच कराने के लिये कमेटी का गठन कराये जिसमे प्रेस क्लब अध्यक्ष को भी नामित किया जाये, जिससे लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ की गरिमा बनी रहे। साथ ही पत्रकारो की सुरक्षा के लिये भी अपने स्तर से आदेश जारी करें।

जनपद को सृजित हुये करीब 28 साल से अधिक का समय हो गया है। लेकिन अभी तक जिला स्तर पर प्रेस क्लब भवन नही बन सका है। प्रैस क्लब भवन के लिये भूमि आवंटित की जाये। भूमि आवटित होने पर प्रेस क्लब आफ हाथरस को भवन निर्माण कराना आसान हो जायेगा।

श्रमजीवी पत्रकारो को ईलाज के लिये भटकना पडता है। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण लोकतंत्र के चौथे स्तम्भ कहे जाने वाले पत्रकारो को ईलाज के लिये ईधर उधर देखना पडता है। पत्रकारो के स्वास्थ्य देखभाल हेतु आयुष्मान कार्ड बनाये जाये।

जिलाधिकारी ने ज्ञापन में कई गई माँगो पर जल्द कार्यवाही का भरोसा दिलाया। आयुष्मान कार्ड पर जिलाधिकारी ने कहा कि कलक्ट्रेट में कैम्प लगते है जल्द ही पत्रकारों की सूची मंगवाकर आयुष्मान कार्ड बनवाएं जायेगे।

जिलाधिकारी को ज्ञापन देते समय अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व डॉ बसंत अग्रवाल ओसी कलेक्ट्रेड मनीष चौधरी के अलावा वरिष्ठ पत्रकार पुष्कर कुमार,रीतेश वार्ष्णेय बॉबी राजदीप तौमर, ब्रजेश मिश्र, शुभम गुप्ता, पुनीत उपाध्याय, जिनेन्द्र जैन, आशीष सेंगर, उमाकांत पुढीर, पुलकित जैन, शैलेन्द्र कुमार सिंह, उमाकांत कुलश्रेष्ठ ,, रंजीत कुमार , शोभित कुमार शर्मा ,डॉ योगेश शर्मा, मोनू कुरैशी आदि मौजूद रहे।

प्रमुख मांग

- राजकीय मेला श्री दाऊ जी महाराज में पत्रकार शिविर जीर्णउद्धार करवाने
- मेले के कार्यक्रमों के कवरेज हेतु पत्रकार दीर्घा बनवाने
- मेले के विभिन्न कार्यक्रमों के संयोजक हेतु स्वच्छ छवि के व्यक्तियों का चयन करने
- पत्रकारों की सुरक्षा हेतु आवश्यक निर्देश जारी करने
- प्रेस क्लब हेतु भूमि आवंटन करने
- पत्रकारों के लिये आयुष्मान कार्ड बनवान

भाजपा जिलाध्यक्ष ने की बैठक कर आगामी अभियानों के संयोजक किये नियुक्त

(भव्य प्रभात)

हाथरस। भाजपा जिला कार्यालय हाथरस पर जिलाध्यक्ष शरद माहेश्वरी की अध्यक्षता में आगामी अभियानों को लेकर एक बैठक आयोजित की गई जिसमें पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को लेकर रूपरेखा तैयार की गई बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष शरद माहेश्वरी ने कहा कि पार्टी के अति महत्वपूर्ण कार्यक्रम आगामी समय में आ रहे हैं, जिनके लिए हमने संयोजक, सह संयोजक नियुक्त कर दिए हैं, जिससे सभी अभियानों का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन हो सके, आने वाले समय में पंचायत चुनाव एम.एल.सी स्नातक एम.एल.सी शिक्षक चुनाव एवं 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस का कार्यक्रम है बैठक में त्रिस्तरीय चुनाव के लिए जिला उपाध्यक्ष प्रमोद सेंगर को जिला संयोजक घोषित किया गया, इसी क्रम में मतदाता पुनरीक्षण अभियान के लिए जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा भीकम सिंह चौहान को जिला संयोजक बनाया गया है ,तथा एमएलसी स्नातक के लिए सतेंद्र सिंह को जिला संयोजक तथा एमएलसी शिक्षक के लिए जितेन्द्र गुप्ता को जिला संयोजक बनाया गया है, इसके अलावा 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस के कार्यक्रम के लिए किसान मोर्चा के जिला महामंत्री योगेंद्र सिंह गहलोत को जिला संयोजक बनाया गया है, बैठक में हरिशंकर राणा, हरीश सेंगर भीकम सिंह चौहान,प्रमोद सेंगर, योगेंद्र सिंह गहलोत, भोला सिंह रावत, भूपेंद्र कौशिक, तपन जोहार, सत्येंद्र सिंह, रमन माहौर, वीरेंद्र प्रसाद गुप्ता कप्तान,शालिनी पाठक, प्रवीण कुमार सोनिया नारंग,चरण सिंह सागर, पवन सिकरवार सहित सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यालय ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर विकास खण्ड, हाथरस, जनपद हाथरस

पत्रांक – ग्रा० पंचा०/15 वॉ०वि०/ पं०राज्य वि०आ० मद/टेन्डर/2025–26 दिनांक–23.07.2025

अति अल्पकालीन निविदा

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि 15 वॉ०वि०/पं०राज्य वि०आ० मद के अन्तर्गत वर्ष 2025–26 में उपलब्ध धनराशि से कराये जाने वाले निम्नांकित कार्यों हेतु उनके नाम के सम्मुख अंकित विवरणानुसार सामग्री की कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु मुहर बन्द निविदाएँ दिनांक 31.07.2025 को दिन के 3.00 बजे तक आंमत्रित की जाती है. जो उसी दिन सांग 3:30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय अधोहस्ताक्षरी अथवा उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी द्वारा खोली जायेंगी। यदि उक्त निविदा प्राप्त करने एवं खोलने के दिनांक को राजकीय अवकाश घोषित होता है तो निविदा प्राप्त एवं खोलने की तिथि अगला कार्य दिवस होगा। निविदा खोलने के स्थल, समय एवं वैधता में कोई परिवर्तन नहीं होगा निविदा की वैधता मूल तिथि से मानी जायेगी। निविदा की शर्ते निम्नवत् निर्धारित की जाती है। –

1. निविदा प्रपत्र कार्यालय ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर से कार्यालय दिवस एवं समय में दिनांक 30.07.2025 तक निविदा मूल्य देकर प्राप्त किये जा सकते है।
2. निविदा प्रपत्र के साथ 2 प्रतिशत धरोहर धनराशि की एफ०डी०आर०/एस०टी०डी०आर० जो अधोहस्ताक्षरी के पक्ष में बन्धक होगी, जमा करनी होगी।
3. निविदा सशर्त अथवा निर्धारित समय के बाद प्रस्तुत निविदायें मान्य नही होगी तथा किसी भी निविदा को बिना कारण बतायें स्वीकृत/अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा ।
4. निविदा दरों की वैद्यता 6 माह अधिकतम होगी। इसके लिये निविदा प्रपत्र के साथ एक सौ रूपये का नॉन जुडिशियल स्टाम्प पेपर, एक रूपये का रिवेन्यू टिकट के साथ होना अनिवार्य है।
5. अनुबन्ध के समय धरोहर राशि को सम्मिलित करतें हुए 10 प्रतिशत जमानत धनराशि जमा करनी होगी तथा कुल जमानत राशि पर नियमानुसार स्टाम्प ड्यूटी देनी होगी ।
6. बिलों के भुगतान में नियमानुसार जी०एस०टी० की कटौती की जायेगी।
7. सामग्री की आपूर्ति उच्च्व गुणवत्ता की होनी चाहिए।
8. कोई भी निविदादाता जो राज्य विधि बार कौसिल में पंजीकृत हो, निविदा देने से प्रतिबंधित होगें।

क्र सं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (सामिग्री)रू०में जीएसटी सहित	धरोहर धनराशि (रू०में)	निविदा प्रपत्र को मूल्य (रू०में)	कार्य अवधि (माह में)
1.	ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर में सरनाम के प्लॉट से श्याम के घर तक नाली इण्टरलॉक निर्माण कार्य हेतु सामिग्री की आपूर्ति।	251328.00	5100.00	250 स्टेशनरी चार्ज	6 माह
2.	ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर में विनोद के घर से योगेन्द्र के घर तक नाली इण्टरलॉक निर्माण कार्य हेतु सामिग्री की आपूर्ति।	94109.00	1900.00		6 माह

अध्यक्ष/प्रधान
ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर

(सचिव)
ग्राम पंचायत सिकन्दरपुर

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं दिखेगा 'रसेल पावर'

आखिरी मैच में खेली तूफानी पारी, जड़े 4 छक्के

जमैका। रसेल ने अपने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच में 15 गेंद में दो चौके और चार छक्कों की मदद से 36 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने एक ओवर गेंदबाजी भी की और 16 रन लुटाए। वेस्टइंडीज के दिग्गज ऑलराउंडर आंद्रे रसेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 37 साल के इस ऑलराउंडर ने करियर के आखिरी दो मैच ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दो टी20 के रूप में खेले। इस सीरीज में हालांकि, वह कुछ खास नहीं कर सके, लेकिन अब यह तो तय है कि अब उनकी दमदार हिटिंग अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नहीं दिखेगी। इसकी वजह से उन्हें कई नाम भी मिले...जैसे श्रसेल मसलश, श्रसेल पावरश...इत्यादि। रसेल ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरुआती दो मैचों को इसलिए चुना क्योंकि, दोनों मुकाबले उनके होम ग्राउंड सबीना पार्क में खेले गए। दोनों ही मुकाबलों को ऑस्ट्रेलिया ने अपने नाम किया। पांच मैचों की सीरीज में कंगारुओं ने 2–0 की बढ़त बना ली है। आखिरी मैच में रसेल का प्रदर्शनरसेल ने अपने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच में 15 गेंद में दो चौके और चार छक्कों की मदद से 36 रन बनाए। इसके अलावा उन्होंने एक ओवर गेंदबाजी भी की और 16 रन लुटाए। वहीं, पहले टी20 में रसेल ने आठ रन बनाए थे और गेंदबाजी में दो ओवर में 37 रन लुटाए थे। रसेल ने वेस्टइंडीज के लिए एक टेस्ट, 56 वनडे और 86 टी20 मैच खेले। टेस्ट में उनके नाम दो रन और एक विकेट है। वहीं, वनडे में उन्होंने 27.91 की औसत और 130.23 के स्ट्राइक रेट से 1034 रन बनाए, जबकि 31.84 की औसत से 70 विकेट भी लिए। 92 रन उनका सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शन, जबकि 35 रन देकर चार विकेट उनका

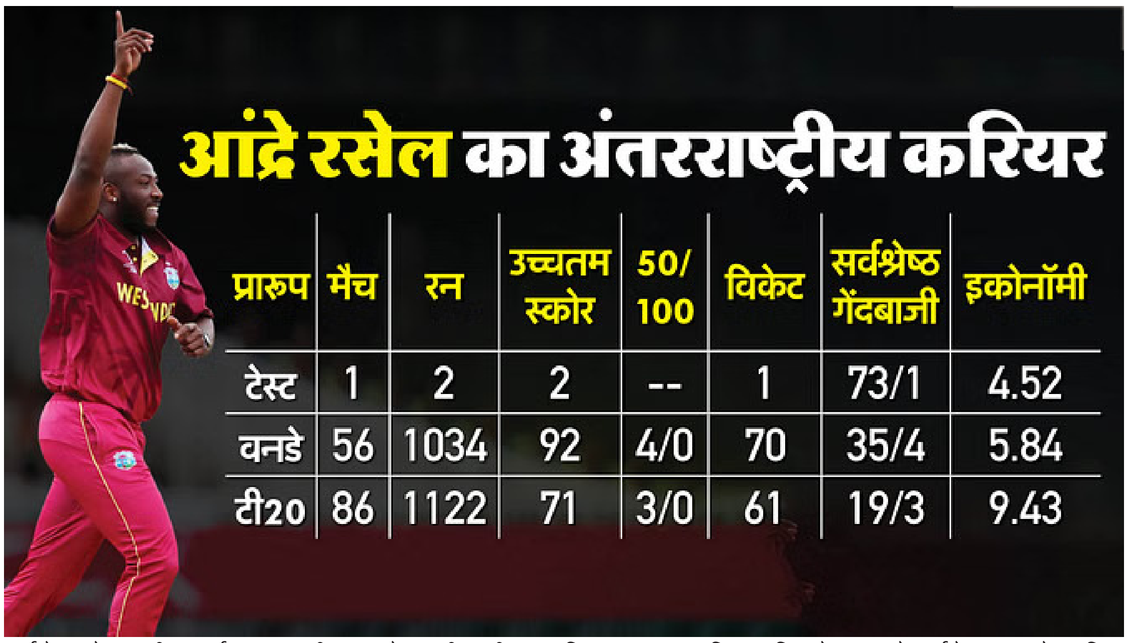

प्रारुप	मैच	रन	उच्चतम स्कोर	50/100	विकेट	सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी	इकोनॉमी
टेस्ट	1	2	2	--	1	73/1	4.52
वनडे	56	1034	92	4/0	70	35/4	5.84
टी20	86	1122	71	3/0	61	19/3	9.43

सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन रहा। टी20 अंतरराष्ट्रीय में उन्होंने 163.80 के स्ट्राइक रेट से 1122 रन बनाए और 64 विकेट भी अपने नाम किए। 19 रन देकर तीन विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन और 71 रन उनका सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी प्रदर्शन रहा। 2019 से रसेल वेस्टइंडीज के लिए सिर्फ टी20 ही खेल रहे थे। दो बार वेस्टइंडीज को जिता चुके टी20 विश्व कप यह 37 वर्षीय खिलाड़ी 2012 और 2016 में आईसीसी टी20 विश्व कप जीतने वाली वेस्टइंडीज टीम का हिस्सा था। हालांकि, रसेल का असली जलवा टी20 लीग में दिखा है। वह टी20 लीग खेलना जारी रखेंगे। रसेल दुनियाभर की टी20 लीग का हिस्सा रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट और लीग को मिलाकर उन्होंने 563 मैचों में 168 से ज्यादा के स्ट्राइक रेट से 9,360 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने दो शतक और 33 अर्धशतक लगाए। नाबाद 121 रन टी20 में उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। टी20 में उन्होंने एक गेंदबाज के रूप में 485 विकेट लिए हैं, जिसमें 5ध्15 के सर्वश्रेष्ठ आंकड़े शामिल हैं। वेस्टइंडीज क्रिकेट ने आभार व्यक्त किया था वेस्टइंडीज क्रिकेट ने रसेल के संन्यास के एलान पर लिखा था, श्शुक्रिया, ड्रे रस! दो बार टी20 विश्व कप चौंपियन बनने से लेकर मैदान के अंदर और बाहर 15 साल तक आपकी अद्भुत शक्ति से आपने वेस्टइंडीज के लिए पूरे दिल, जुनून और गर्व के साथ खेला। वेस्टइंडीज आपको सलाम करता है!श वहीं, रसेल ने कहा, श्शब्द इसका मतलब नहीं समझा सकते।

जो रूट की राहुल द्रविड़–रिकी पोंटिंग के रिकॉर्ड पर नजर, मैनचेस्टर में रच सकते हैं इतिहास

इंग्लैंड के अनुभवी बल्लेबाज जो रूट इस समय टेस्ट क्रिकेट इतिहास में पांचवें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन उनके पास अब दूसरे स्थान तक पहुंचने का सुनहरा मौका है। ये अवसर उन्हें आज से भारत के खिलाफ मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होने वाले चौथे टेस्ट मैच में मिलेगा। फिलहाल, रिकी पोटिंग, जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ क्रमशरू दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। रूट को द्रविड़ और कैलिस को पीछे छोड़ने के लिए सिर्फ 31 रन चाहिए, जबकि पोंटिंग को पछाड़कर दूसरे नंबर पर आने के लिए कुल 120 रन बनाने होंगे। हालांकि, वह अब भी सचिन तेंदुलकर के 15921 टेस्ट रन के ऑल–टाइम रिकॉर्ड से 2663 रन पीछे हैं, लेकिन मौजूदा फॉर्म को देखते हुए रूट इस टेस्ट में कई रिकॉर्ड बना सकते हैं। वहीं रूट का ओल्ड ट्रैफर्ड में रिकॉर्ड भी बेहतरीन है। उन्होंने यहां 11 मैचों में 65.20 की औसत से 978 रन बनाए हैं, जिसमें 1 शतक और 7 अर्धशतक शामिल हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन सचिन तेंदुलकर (भारत)– 15,921 रन (200 मैच) रिकी पोंटिंग (ऑस्ट्रेलिया)– 13,378 रन (168 मैच) जैक्स कैलिस (साउथ अफ्रीका)– 13, 289 रन (166 मैच) राहुल द्रविड़ (भारत)– 13,288 रन (164 मैच) जो रूट (इंग्लैंड)– 13,259 रन (156 मैच)

जानें कौन हैं क्रांति गौड़?

भारतीय महिला क्रिकेट टीम इंग्लैंड के दौरे पर खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज को हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में 2–1 से अपने नाम करने में कामयाबी हासिल की। टीम इंडिया को आखिरी वनडे मैच में जीत दिलाने में 21 साल की तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने अहम भूमिका अदा की जिन्होंने इस मैच में कुल 6 विकेट अपने नाम किए। क्रांति की इनस्विंग गेंदों के आगे इंग्लैंड महिला के खिलाड़ी पूरी तरह से बेबस नजर आए। क्रांति गौड़ के लिए भारतीय महिला टीम के लिए खेलने का सफर बिल्कुल बी आसान नहीं था, बीसीसीआई की तरफ से जारी किए गए एक वीडियो में उन्होंने अपने संघर्ष की कहानी को बयां किया। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा से आने वाली क्रांति ने बताया कि उनके परिवार की आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं थी, जिसमें उनके परिवार को एक बार पड़ोसियों से खाना उधार लेना पड़ा था और उसे वापस करने का वादा करना पड़ा था। क्रांति ने टेनिस बॉल से खेलना शुरू किया था जिसमें वह लड़कों के साथ खेलती थी और जहां कोई भी स्पिन गेंदबाजी नहीं करता था इसलिए उन्होंने भी अपना पूरा ध्यान तेज गेंदबाजी की ही तरफ लगाया। हार्दिक पंड्या को करती हैं फॉलो अपने इस बयान में क्रांति ने बताया कि वह हार्दिक पंड्या को काफी फॉलो करती हैं जिसमें जब उन्होंने तेज गेंदबाजी की शुरुआत की थी, तब वह हार्दिक पंड्या के गेंदबाजी वीडियो देखती हैं और उन्हीं की तरह बॉलिंग करने का प्रयास करती हैं। बता दें कि, क्रांति ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा जब महिला वनडे ट्रॉफी के फाइनल मुकाबले में उन्होंने चार विकेट हासिल करने के साथ प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब भी जीता। वहीं इंग्लैडं में वनडे में क्रांति गौड़ सिर्फ दूसरी ऐसी भारतीय महिला तेज गेंदबाज बन गई हैं जो किसी मुकाबले में 5 या उससे ज्यादा विकेट लेने में कामयाब हुई हैं। इससे पहले टीम इंडिया की पूर्व तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने साल 2011 में न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे मैच में साउथगेट में 31 रन देकर 6 विकेट हासिल किए थे।

मैनचेस्टर टेस्ट से पहले कप्तान शुभमन गिल ने प्लेइंग इलेवन को लेकर दिया अपडेट, करुण नायर को लेकर कही ये बात

भारत और इंग्लैंड के बीच चौथा टेस्ट शुरू होने में अब बस कुछ ही घंटे का समय शेष है। इससे एक दिन पहले भारतीय कप्तान शुभमन गिल मीडिया के सामने आए और करीब करीब सभी सवालों के जवाब भी दिए। चौथे टेस्ट से पहले कई भारतीय खिलाड़ी चोटिल हो गए हैं। ऐसे में टीम की परेशानी बढ़ी हुई है। मुकाबला भले ही 23 जुलाई को होगा लेकिन कप्तान शुभमन ने कई सारे पत्ते एक दिन पहले ही खोल दिए। इस दौरान मीडिया से बात करते हुए शुभमन गिल ने साफ कर दिया है कि आकाश दीप अगले यानी चौथे टेस्ट मैच का हिस्सा नहीं होंगे।

24 जुलाई को आयकर दिवस का बहिष्कार, लंबित मुद्दों को लेकर विभागीय कर्मचारी करेंगे विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। देश भर के आयकर कर्मचारी अपनी लंबित मुद्दों को लेकर 24 जुलाई को आधिकारिक आयकर दिवस समारोह का बहिष्कार करेंगे। साथ ही कर्मचारी 23 जुलाई से देशभर के 18 क्षेत्रों में स्थित प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर, चीफ कमिश्नर और प्रिंसिपल कमिश्नर कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन करेंगे। देश भर के आयकर कर्मचारी 24 जुलाई को आधिकारिक आयकर दिवस समारोह का बहिष्कार करेंगे। कर्मचारी कंद्रीय प्रत्यक्ष बोर्ड (सीबीडीटी) द्वारा अपनी समस्याओं को नजरअंदाज किए जाने से नाराज हैं। जेसीए ने सीबीडीटी को लिखा पत्र आयकर कर्मचारी महासंघ (प्ज्म्थ) और आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ (प्ज्ळव्।)का प्रतिनिधित्व करने वाली संयुकत कार्य परिषद (श्रब्।) ने बताया कि आने वाले हफ्तों में विरोध और तेज किया जाएगा। इससे देश भर में कर प्रशासन के कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। जेसीए ने 21 जुलाई 2025 को सीबीडीटी अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा है कि हमारे गंभीर मुद्दे के प्रति प्रशासन की उदासीनता ने हमें यह विरोध प्रदर्शन शुरू करने के लिए मजबूर किया है। कब–कब होगा विरोध प्रदर्शन कर्मचारी 23 जुलाई से देशभर के 18 क्षेत्रों में स्थित प्रिंसिपल चीफ कमिश्नर, चीफ कमिश्नर और प्रिंसिपल कमिश्नर कार्यालयों के बाहर प्रदर्शन करेंगे। यह आंदोलन उनके लंबित मुद्दों को लेकर शुरू किया जा रहा है। 29 जुलाई को, देशभर के प्रमुख कर कार्यालयों में आध ा दिन धरना और प्रदर्शन किया जाएगा। इस दिन संसद प्रश्नों और अदालती आदेशों से जुड़ी रिपोर्टों को छोड़कर सभी रिपोर्टों को स्थगित किया जाएगा। कर्मचारी आउटरीच कार्यक्रमों का बहिष्कार करेंगे और किसी भी आधि ाकारिक बैठक में हिस्सा नहीं लेंगे। अगर ब्ठक्ज के सदस्य क्षेत्रीय कार्यालयों का दौरा करते हैं, तो काले झंडे दिखाकर विरोध किया जाएगा। श्रब। के अनुसार, 5 से 7 अगस्त तक प्रतिदिन धरना दिया जाएगा और इस दौरान सर्च और सर्वे ऑपरेशनों पर पूरी तरह रोक रहेगी। इसमें टीडीएस सर्वे भी शामिल हैं। इसके बाद 8 अगस्त को कर्मचारी पूरे दिन कामकाज से वाकआउट करेंगे। 97 प्रतिशत आयकर कर्मचारियों के मुद्दे हैं अनसुलझे जेसीए ने विभाग के 97 प्रतिशत कर्मचारियों के कई अनसुलझे मुद्दों पर जोर दिया। उन्होंने 16 जुलाई को जारी किए गए हालिया वार्षिक सामान्य स्थानांतरण (एजीटी) आदेशों को लेकर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि वास्तविक मानवीय आधार वाले मामलों की अनदेखी कर दिए जाने से असंतोष और बढ़ गया है। इसके साथ ही, कूलिंग–ऑफ अवधि के बाद अधि ाकारियों को गृह क्षेत्रों में स्थानांतरित करने की पुरानी प्रक्रिया को अचानक बंद कर दिया गया है।

घायल टीम इंडिया के सामने संयोजन बना चुनौती, नीतीश की जगह कौन लेगा? पंत पर भी नजर

मैनचेस्टर। भारत के लिए मैच से पहले सबसे बड़ी चिंता आकाश दीप और ऋषभ पंत हैं। यह दोनों खिलाड़ी चोट से जूझ रहे हैं। ऐसी भी चर्चा है कि पंत चौथे टेस्ट में पूर्णकालिक बल्लेबाज के तौर पर उतरें और उनकी जगह ध्रुव जुरेल विकेटकीपर के तौर पर उतरें। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज में 1–2 से पीछे चल रही भारतीय टीम बुधवार से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट मैच में वापसी करने के इराद से उतरेगी। भारत के लिए चिंता की बात यह है कि वह खिलाड़ियों की चोट से जूझ रही है। दरअसल, अर्शदीप सिंह, आकाश दीप, ऋषभ पंत और नीतीश रेड्डी चोटिल हैं। नीतीश तो पूरी सीरीज से ही बाहर हो गए हैं, जबकि अर्शदीप चौथे मैच में नहीं खेल सकेंगे। सीरीज बचाने के लिए हर हाल में चाहिए जीत इंग्लैंड ने लीड्स में खेले गए सीरीज के पहले मैच में जीत हासिल की थी, जबकि भारत ने दूसरे टेस्ट मैच को जीतकर सीरीज 1–1 से बराबर कर दी थी। लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट मैच में भारत ने दबदबा बनाया था, लेकिन पांचवें आसान सा लक्ष्य हासिल नहीं कर सकी थी। इस हार के चलते भारत सीरीज में पिछड़ गया। अब उसे सीरीज में बने रहने के लिए चौथा मुकाबला हर हाल में जीतना होगा। भारत के लिए यह मैच काफी महत्वपूर्ण है, लेकिन खिलाड़ियों की चोट से उसकी मुश्किलें काफी बढ़ गई है।

भव्य प्रभात

अविश्वास की रिकॉर्डिंग

संक्रमणकाल से गुजर रहे भारतीय समाज में पति–पत्नी के दरकते रिश्ते समाजविज्ञानियों के लिए चिंता का विषय हैं। आये दिन विभिन्न अदालतों में ऐसे मामलों से जुड़े विवाद मीडिया की सुर्खियां बनते रहते हैं। निस्संदेह, भारतीय समाज में पहले ऐसे मामले कम ही नजर आते थे और विवाह को सात जन्मों का बंधन कहा जाता रहा है। यहां तक कि हिंदू विमर्श में तलाक शब्द का कोई सटीक पर्यायवाची भी नहीं मिलता। लेकिन इधर रिश्तों में लगातार बढ़ता अविश्वास, अलगाव व विवाद वर्तमान समय की हकीकत है। बल्कि पिछले दिनों एक न्यायाधीश को यहां तक कहना पड़ा कि वैवाहिक विवादों के बोझ से न्यायिक प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव बढ़ा है। इसी क्रम में पिछले दिनों पति–पत्नी के विवाद में गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई फोन कॉल को साक्ष्य मानने की बात सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने वैवाहिक विवादों से जुड़े एक अहम फैसले में कहा है कि पति या पत्नी द्वारा गुप्त रूप से रिकॉर्ड की गई टेलीफोन बातचीत अब एक सबूत के तौर पर स्वीकार होगी। शीर्ष अदालत का कहना था कि इस तरह की रिकॉर्डिंग फैमिली कोर्ट में एक अहम सबूत के तौर पर स्वीकार की जा सकती है। दरअसल, इस बाबत पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट द्वारा दिए गए एक फैसले के विरुद्ध सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को ही रद्द कर दिया। दरअसल, पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट का इस बाबत मानना था कि किसी पक्ष की जानकारी के बिना उसकी बातचीत को रिकॉर्ड करना उसकी निजता का उल्लंघन होगा। उच्च न्यायालय का तर्क था कि इस रिकॉर्डिंग को फैमिली कोर्ट में साक्ष्य के तौर पर स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। उच्च न्यायालय का कहना था कि आमतौर पर पति–पत्नी सामान्य तौर पर या आवेश में खुलकर बात करते हैं। उन्हें इस बात का भान नहीं होता कि कहीं उनकी बात रिकॉर्ड हो रही है या उनकी बातचीत भविष्य में अदालत में साक्ष्य की तौर पर पेश की जा सकती है। अपने तर्क के समर्थन में पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट ने कुछ न्यायिक फैसलों का भी जिक्र किया था। खासकर आंध्रप्रदेश उच्च न्यायालय के एक फैसले का उल्लेख किया गया था, जिसमें कहा गया था कि पति–पत्नी की सहमति के बिना बातचीत को रिकॉर्ड करना निजता का उल्लंघन है। साथ ही गैर–कानूनी भी है। इस तरह के साक्ष्य को स्वीकार नहीं किया जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने उन दलीलों को अस्वीकार्य किया कि जिसमें कहा गया था कि इस तरह के साक्ष्य की अनुमति देने से घरेलू सौहार्द व वैवाहिक रिश्तों पर आंच आएगी। यह भी कि इससे समाज में पति–पत्नी की जासूसी की प्रवृत्ति को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही साक्ष्य अधिनियम का भी अतिक्रमण होगा। शीर्ष अदालत की पीठ का इस बाबत कहना था कि अदालत में पहुंचे रिश्ते इस बात का पर्याय हैं कि दोनों के रिश्ते सहज व सामान्य नहीं हैं। जाहिरा तौर पर रिश्तों में अविश्वास के चलते ही वैवाहिक मामले कोर्ट तक पहुंचते हैं। उल्लेखनीय है कि बठिंडा की एक परिवार अदालत ने पत्नी की क्रूरता साबित करने वाली फोन रिकॉर्डिंग को साक्ष्य के तौर पर प्रयोग करने की अनुमति दी थी। जिसे पत्नी ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में चुनौती दी। उसकी दलील थी कि यह रिकॉर्डिंग उसके संज्ञान में लाए बिना की गई थी। जिससे उसके निजता के मूल अधिकार का हनन होता है। जिस पर उच्च न्यायालय ने याचिका को स्वीकार किया, साथ ही फैमिली कोर्ट के आदेश को निरस्त कर दिया था। हाईकोर्ट का कहना था कि बातचीत एक पक्ष ने गोपनीय ढंग से रिकॉर्ड की है, अतरू इसे स्वीकार नहीं किया जा सकता। यह भी कहा कि तय करना कठिन है कि ये बातचीत किन परिस्थितियों व भावनात्मक आवेश के चलते हुई थी। ऐसे में आरोपों की तार्किकता सिद्ध करना कठिन है। साथ ही बहुत संभव है कि रिकॉर्ड करने वाले पक्ष ने सतर्क होकर प्रतिक्रिया दी हो। ऐसे में उसकी प्रतिक्रिया स्वाभाविक नहीं हो सकती।

क्या धनखड़ परेशानी पैदा कर रहे थे

अरविन्द मोहन

उप राष्ट्रपति पद से जगदीप धनखड़ की विदाई जितनी अचानक और निजी दिखाई देती है वह उतनी लगती नहीं। जी हां, यह बीमारी और निजी कारण से हुआ इस्तीफा नहीं लगता, यह दबाव में लिया गया इस्तीफा लगता है। और उनके इस बड़े पद से हटने की अनुगूंज अभी केंद्र, एनडीए और भाजपा की राजनीति में देर तक सुनाई देगी। तत्काल तो यही दिखा रहा है कि टिप्पणी किसी को भी अखर सकती थी। पश्चिम बंगाल का राज्यपाल रहते हुए भी उनके कई काम और कमेन्ट इसी श्रेणी के थे। हर कोई मानता था कि संघ की पृष्ठभूमि न होने के चलते वे सत्ता के गलियारे में ऊंचा आसान पाने के लिए यह सब करते है। जब तक उत्तर प्रदेश, हरियाणा और राजस्थान चुनाव में भाजपा को जाट वोटों की जरूरत थी, उनका प्रोमोशन भी होता गया और उनके ऐसे बयानों–कामों को चुनने में परेशानी हो रही थी क्योंकि आरएसएस अपनी चलाने पर अड़ा हुआ है। वह नड्डा को निपटाने के साथ योगीजी के साथ हुए अन्याय का इलाज भी चाहता है। लोक सभा चुनाव में उत्तर प्रदेश के ज्यादातर टिकट योगी की मर्जी से उलट दिए गए थे। हम देख चुके हैं कि भाजपा के मौजूदा नेतृत्व के लिए यह काम कितना मुश्किल हो गया है। और आग में घी डालते हुए खुद मोहन भागवत पचहत्तर की उम्र सीमा पर वानप्रस्थ या वैराग्य की बहस

भाजपा की तरफ से कुछ नहीं कहा गया लेकिन विपक्ष उस धनखड़ साहब को अपने इस्तीफे पर पुनर्विचार के लिए कह रहा है जिनसे उसका रिश्ता छत्तीस का ही रहा है। अब विपक्ष उनकी तारीफ के कसीदे भी काढ़ रहा है। सत्ता पक्ष का हाल तो यह है कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा पहले तो उपराष्ट्रपति, जो राज्यसभा के सभापति भी होते हैं, के मुंह पर उनके लिए अपमानजनक टिप्पणी करते रहे और शाम को हुई सर्वदलीय बैठक में निजी काम के बहाने आए भी नहीं। आज सरकार तथा भाजपा जिस तरह चल रही है उसमें नड्डा जी भले ही कामचलाऊ अध्यक्ष हैं लेकिन वे पर्याप्त ताकतवर हैं क्योंकि असली सत्ता वालों का विश्वास उनको हासिल है। यह अलग बात है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ को अभी भी मुगालता है कि असली सत्ता उसके हाथ में है और नड्डा ने अगर लोक सभा चुनाव के समय उनका अपमान किया था तो वह उनकी विदाई करा देगा। इस्तीफे वाले दिन अर्थात 21 जुलाई को तीसरे पहर तक उपराष्ट्रपति का काम और व्यवहार यही दिखाता है कि सब कुछ सामान्य था। उनके दफ्तर से उनके जयपुर के कार्यक्रम की विज्ञप्ति भी जारी हुई जो एक दिन बाद होनी थी। उनका स्वास्थ्य खराब था और उनको किमाऊ विश्वविद्यालय के कार्यक्रम में चक्कर आए थे। लेकिन यह मार्च की बात थी। अभी हफ्ता भर पहले वे जेनयू के कार्यक्रम में तारीख बताकर यह कह रहे थे कि वे 10 अगस्त 2027 को पद से मुक्त होंगे–बीच में ईश्वरीय दखल न हो तब। जिस तरह के वे नेता थे उसमें उनके बयान और काम कई बार सरकार के लिए परेशानी का कारण भी बनाते रहे थे। न्यायपालिका को लेकर की गई उनकी टिप्पणियों और संवैधानिक पद पर रहते हुए संविधान के सेकुलर और सोशलिष्ट शब्द पर उनकी बर्दाश्त ही नहीं किया गया, उनका गुण माना गया। इसलिए उनके इस्तीफा में नैतिकता का अंश ढूंढना तो बेवकूफी होगी। चुनावी जरूरत खत्म या काम होने के बाद अपनी सत्ता और महत्व को बढ़ाने की उनकी कोशिशें सरकार के कर्ता–धर्ता लोगों को भी चुभती होंगी। जेपी नड्डा का सदन में दिया बयान उसकी झलक पेश करता है। यह बयान धनखड़ जी के सिर्फ पहले के बयानों के आधार पर नहीं आया होगा। 21 जुलाई को जब लोकसभा में जस्टिस वर्मा के खिलाफ महाभियोग का नोटिस सभी दलों के सांसदों ने दिया क्योंकि सरकार इसे सर्वसम्मत मामला बनाना चाहती है। राज्य सभा में सभापति ने सिर्फ विपक्षी सदस्यों द्वारा पेश प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। इससे पहले वही सभापति थे जब इलाहाबाद के जस्टिस यादव द्वारा विश्व हिन्दू परिषद के आयोजन में दिए विवादास्पद बयान पर विपक्षी प्रस्ताव उन्होंने नहीं माना था जबकि उस पर जरूरी संख्या से ज्यादा सदस्यों के दस्तखत थे। मामला इन दोनों की तुलना का नहीं है। जस्टिस वर्मा वाले मामले में अब जो संसदीय समिति बनेगी उसमें राज्य सभा वाले तीन सदस्यों का चुनाव सभापति के विवेक से होगा। अब अगर सभापति ने मोशन को स्वीकार करने में सरकार से अलग लाइन ली तो चुनाव में सरकार की मानेंगे इसमें नड्डा जी समेत सबको शक होगा। और इस व्यवहार में ही अचानक विपक्षी दलों द्वारा धनखड़ की तारीफ का रहस्य छुपा लगता है। अब इस मामले को यहीं छोड़ें क्योंकि बात सिर्फ इतनी नहीं हो सकती। कुछ और भी संकेत मिले होंगे और धनखड़ साहब को भी अपने मान–सम्मान के प्रतिकूल कुछ और बातें लगी होंगी। उनकी विदाई के बाद सरकार, एनडीए और भाजपा का संकट जरूर कुछ बढ़ गया है। अभी तक उसे सिर्फ अध्यक्ष छेड़कर प्रधानमंत्री पर भी निशाना साधे हुए हैं। अब एक नया उपराष्ट्रपति चुनने का सिरदर्द इस सारी परेशानी को कई गुना करेगा। इसमें भी खास बात यह है कि लोक सभा और राज्यसभा, दोनों में भाजपा को सहयोगी दलों पर निर्भर रहना है। उनकी नाराजगी के बाद अपना उम्मीदवार जिताना मुश्किल होगा। भाजपा के मौजूदा नेतृत्व को दो बार से ऐसी आदत पड़ी हुई है कि वह विपक्ष की ही नहीं पार्टी और सहयोगी दलों की भी कम ही परवाह करता है। लोक सभा चुनाव के बाद जब बहुमत न होने पर तेलगु देशम पार्टी और जदयू समेत अन्य विपक्षी दलों का सहयोग सुनिश्चित होते ही इस नेतृत्व ने दन से एनडीए संसदीय दल कई बैठक बुलाकर नरेंद्र मोदी को नेता घोषित कर दिया। इससे पहले भाजपा संसदीय दल का नेता चुने जाने कई औपचारिकता भी नहीं पूरी की गई क्योंकि उसमें चुनावी बदहाली, बहुमत न मिलने और मोदी जी के पचहत्तर साल का होने के बाद की स्थिति पर विचार का सवाल उठने का डर था।

पार्टी के कई लोग इन सवालों के साथ ताल ठोंक रहे थे। उधर संघ नड्डा जी के इस बयान से खार खाए हुए था कि अब भाजपा को चुनाव जीतने के लिए संघ के समर्थन की जरूरत नहीं है। हमने देखा है कि इस बयान के बावजूद लोकसभा चुनाव के बाद हुए महाराष्ट्र, हरियाणा और दिल्ली चुनाव में संघ के कार्यकर्ता किस तरह भाजपा की जीत के लिए जुटे हुए थे। और रिजल्ट से उनके काम का महत्व सबको दिखा। जाहिर है मौजूदा नेतृत्व संघ की उपेक्षा करके नहीं चल सकता, भले ही नड्डा का बयान उसके मन की बात हो। अब अगर धनखड़ जी जैसा चालाक राजनेता जरा भी दांवपेंच की स्थिति में आ जाए तो यह संकट बढ़ेगा ही। इसलिए उनकी विदाई हुई है।

बारिश का मौसम आते ही कई लोग कुछ टेस्टी और चटपटा खाने का मन करने लगते हैं। ऐसी ठंडी और नम हवा में कुछ मसालेदार और स्वादिष्ट व्यंजन खाने का मजा ही अलग होता है। अगर आपको भी बारिश में कुछ स्वादिष्ट और हेल्दी स्नैक या हल्का भोजन बनाना हो तो मशरूम घी रोस्ट (मशरूम घी रोस्ट) एक बेहतरीन विकल्प है। यह रेसिपी बनाने में आसान, जल्दी बनती है और स्वाद में लाजवाब होती है।

मशरूम घी रोस्ट बनाने की सामग्री

ताजा मशरूम दृ 250 ग्राम

शुद्ध घीः 2 से 3 बड़े चम्मच

प्याजः 1 मध्यम, बारीक कटा हुआ

लहसुनः 4–5 कलियां, कटी हुई

हरी मिर्चः 2 (स्वादानुसार), कटी हुई

लाल मिर्च पाउडर दृ 1 छोटा चम्मच

हल्दी पाउडरः 1/2 छोटा चम्मच

धनिया पाउडरः 1 छोटा चम्मच

गरम मसालाः 1/2 छोटा चम्मच

नमकः स्वादानुसार

धनिया पत्तियां दृ सजाने के लिए

नींबू का रसः 1 छोटा चम्मच (वैकल्पिक)

मशरूम घी रोस्ट बनाने की विधि

1. मशरूम को हल्के गीले कपड़े या किचन टॉवल से साफ करें। ध्यान रखें कि मशरूम को ज्यादा पानी में भिगोना नहीं है क्योंकि इससे वह सॉफ्ट हो सकते हैं।

2. मशरूम के बड़े टुकड़े करें या पूरे भी इस्तेमाल कर सकते हैं, अपनी पसंद के अनुसार। एक कड़ाही या तवा लें और उसमें 2–3 बड़े चम्मच घी डालकर मध्यम आंच पर गरम करें।

3. घी गरम होने पर कटा हुआ प्याज डालें और सुनहरा होने तक भूनें। फिर लहसुन और हरी मिर्च डालकर कुछ मिनट भूनें

ताकि खुशबू आने लगे।

4. अब इसमें हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और गरम मसाला डालें। मसालों को अच्छे से घी में भूनें ताकि उनका कच्चापन दूर हो जाए। मसाले भुन जाने के बाद मशरूम डालें और अच्छे से मिलाएं। मशरूम को धीमी आंच पर पकाएं ताकि वह अपने रस छोड़ें और फिर थोड़ा सूख जाए।

5. स्वादानुसार नमक डालें और लगभग 7–10 मिनट तक ध ीमी आंच पर मशरूम को पकाएं। बीच–बीच में चलाते रहें ताकि मशरूम जलें नहीं।

6. पकने के बाद अगर आप चाहें तो थोड़ा नींबू का रस डाल सकते हैं, इससे डिश में हल्का खट्टापन आ जाता है जो बारिश के मौसम में अच्छा लगता है। अंत में हरी धनिया पत्तियां डालकर सजाएं। मशरूम घी रोस्ट को आप गर्मागर्म पराठे, चपाती या साधारण चावल के साथ परोस सकते हैं। साथ में रायता या सलाद भी रख सकते हैं। इसका चटपटा और मसालेदार स्वाद बारिश के मौसम में आपके खाने का मजा दोगुना कर देगा।

बहुत से लोगों को ठंडी–ठंडी चीजें जैसे बर्फ के टुकड़े, आइस क्यूब या अन्य ठंडी वस्तुएं चबाने की आदत होती है। इसे सामान्यतया लोग मजे के लिए या तनाव कम करने के लिए करते हैं। लेकिन अगर यह आदत बार–बार और बहुत ज्यादा हो तो यह स्वास्थ्य के लिए चेतावनी हो सकती है। इस आदत का एक बड़ा कारण आयरन की कमी हो सकता है, जिसे मेडिकल भाषा में आयरन की कमी से जुड़ी एनीमिया कहते हैं।

ठंडी चीजें चबाने की आदत क्या है?

ठंडी चीजें चबाने की आदत को मेडिकल टर्म में पिका कहा जाता है, जिसमें व्यक्ति सामान्य खाने–पीने की चीजों के अलावा ऐसी वस्तुएं खाने या चबाने लगता है जो आमतौर पर खाने योग्य नहीं होतीं। जब कोई व्यक्ति बर्फ या ठंडी चीजें बार–बार और अधिक मात्रा में चबाने लगे, तो इसे पिका सिंड्रोम का एक रूप माना जा सकता है।

ठंडी चीजें क्यों चबाते हैं लोग?

कई लोग तनाव, बेचैनी या बोरियत की वजह से ठंडी चीजें चबाते हैं। लेकिन अगर यह आदत लगातार बनी रहे, खासकर अगर यह किसी की भूख को भी प्रभावित करने लगे, तो यह एक संकेत हो सकता है कि शरीर में कोई पोषण संबंधी कमी है। खासकर आयरन की कमी वाली स्थिति में लोग बर्फ चबाने के लिए अधिक प्रेरित होते हैं।

आयरन की कमी और ठंडी चीजें चबाने का संबंध

जब शरीर में आयरन की कमी होती है तो लाल रक्त कोशिकाओं की संख्या कम हो जाती है और शरीर में ऑक्सीजन पहुंचाने की क्षमता घट जाती है। यह स्थिति एनीमिया कहलाती है। आयरन की कमी से पीड़ित लोग कई बार अपनी आदतों में बदलाव महसूस करते हैं, जिसमें बर्फ या ठंडी चीजें चबाने की इच्छा भी शामिल होती है।

वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, आयरन की कमी वाले मरीजों में बर्फ चबाने की लत (पिका) आम देखी गई है। ऐसा माना जाता है कि बर्फ चबाने से मुँह की सूजन या जलन को कुछ हद तक कम किया जा सकता है, जिससे कुछ राहत मिलती है। इसलिए, यह एक तरह का प्रतिक्रिया स्वरूप व्यवहार हो सकता है।

यह लत कब गंभीर हो जाती है?

अगर आप या आपके आसपास के कोई व्यक्ति रोजाना, बार–बार और बिना वजह के बर्फ या ठंडी चीजें चबा रहे हों, तो इसे अनदेखा न करें। यह आदत आपके स्वास्थ्य के लिए खतरा बन सकती है, खासकर अगर यह खाने की सही मात्रा को प्रभावित कर रही हो या शरीर में विटामिन और मिनरल की कमी की वजह से हो रही हो।

आयरन की कमी के अन्य लक्षण

ठंडी चीजें चबाने की आदत के अलावा आयरन की कमी के और भी कई लक्षण होते हैं जिन्हें पहचानना जरूरी है–

बार–बार थकान और कमजोरी महसूस होना। त्वचा का पीलापन या रंग फीका पड़ जाना। सांस फूलना या हल्का हल्का चक्कर आना। मुंह के कोनों पर दरार या घाव होना। बालों का झड़ना या टूटना। हाथ–पैर ठंडे महसूस होना। अगर आप इनमें से कोई भी लक्षण महसूस करते हैं तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना चाहिए।

आयरन की कमी का कारण क्या होता है?

आयरन की कमी के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें मुख्य हैं

खून की कमी या खून बहना (जैसे मासिक धर्म में अत्यधि ाक रक्तस्राव)

पोषण की कमी, खासकर आयरन युक्त खाद्य पदार्थों का कम सेवन

शरीर में आयरन के अवशोषण की समस्या (जैसे पेट या आंत की बीमारी)

गर्भावस्था में अधिक आयरन की आवश्यकता

इन कारणों को समझना और उनका सही इलाज कराना जरूरी होता है।

कैसे पता करें कि आयरन की कमी है?

आयरन की कमी का पता लगाने के लिए रक्त जांच करानी पड़ती है। डॉक्टर इस रिपोर्ट के आधार पर यह समझ पाते हैं कि शरीर में आयरन की कमी है या नहीं। अगर कमी पाई जाती है तो डॉक्टर आयरन सप्लीमेंट और डाइट चार्ट सुझाते हैं।

आयरन की कमी को कैसे दूर करें?

आयरन की कमी को दूर करने के लिए सबसे जरूरी है सही आहार लेना। आयरन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन बढ़ाना चाहिए, जैसे– पालक, मेथी, सरसों के साग। मूंगफली, काजू, बादाम जैसे नट्स। मूंग दाल, चना, राजमा जैसी दालें। अनार, तरबूज जैसे फल। अंडा, मांस, मछली (यदि आप नॉन–वेज खाते हैं)।इसके साथ ही विटामिन सी युक्त फल और सब्जियां खाने से आयरन का अवशोषण बेहतर होता है।

ठंडी चीजें चबाने की आदत को कैसे रोकें?

अगर आप या आपके परिवार में कोई इस आदत से परेशान है तो कुछ आसान उपाय आजमा सकते हैं–तनाव कम करने के लिए ध्यान, योग या हल्की एक्सरसाइज करें। ठंडी चीजों की जगह मुँह में चबाने के लिए स्वस्थ विकल्प जैसे गाजर या ककड़ी रखें। पर्याप्त नींद लें और दिनचर्या में बदलाव करें ताकि बोरियत न हो। आयरन की कमी का टेस्ट कराएं और डॉक्टर की सलाह से सप्लीमेंट लें।

कब डॉक्टर से मिलें?

अगर बर्फ चबाने की आदत के साथ साथ आपको कमजोरी, चक्कर, सांस फूलना, या खाने की इच्छा कम लगना जैसी समस्याएं हों तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। सही समय पर इलाज से आप इस समस्या से जल्दी छुटकारा पा सकते हैं। ठंडी चीजें चबाने की लत सिर्फ एक आदत नहीं, बल्कि शरीर की किसी समस्या का संकेत हो सकती है। खासकर अगर यह लत लगातार बढ़ती जा रही हो और इसके साथ आयरन की कमी जैसे लक्षण भी दिख रहे हों, तो इसे नजरअंदाज न करें। सही समय पर जांच और उपचार से आप अपनी सेहत को बेहतर बना सकते हैं और इस आदत को भी खत्म कर सकते हैं।